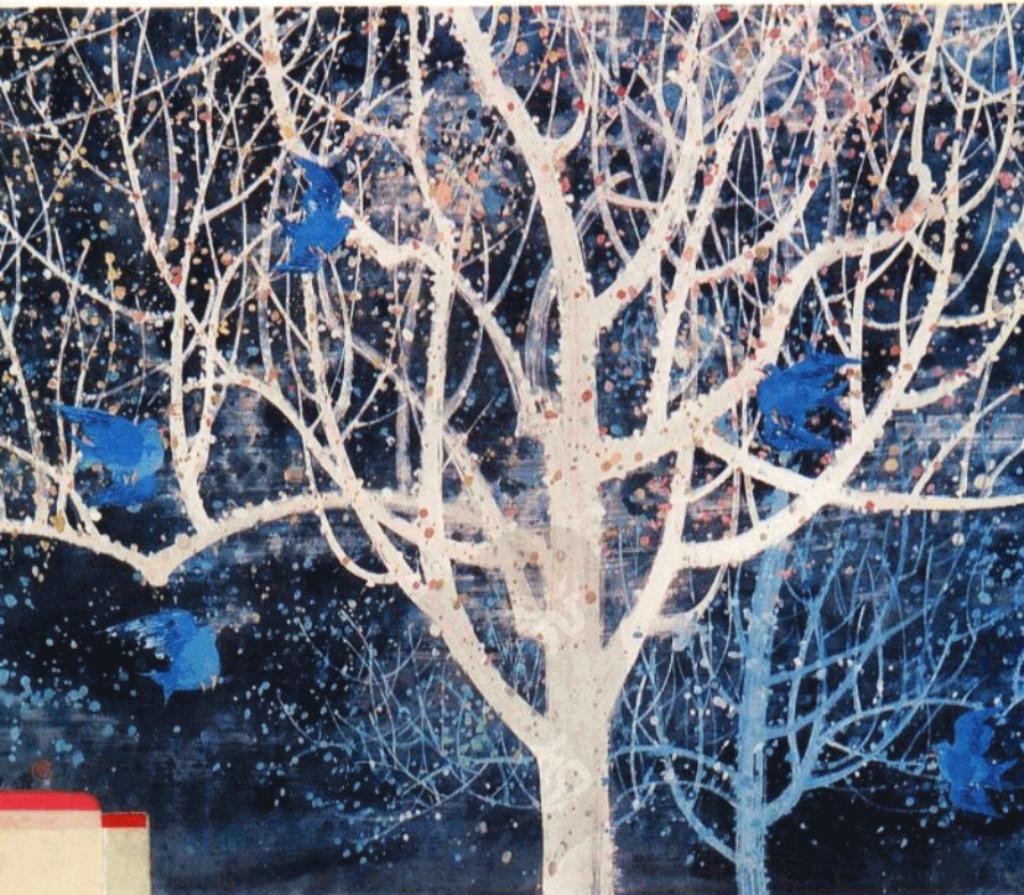


潛

● 王健

流

● 文化藝術出版社



# 潛流

王健著

文化藝術出版社

(京)新登字140号

潜 流

王 健 著

\*

文海藝術出版社出版

(北京前海西街 17 号)

新华书店北京发行所经销

北京冠中印刷厂印刷

\*

开本 787×1092 毫米 1/32 印张7.75 字数140,000

1992年2月北京第1版 1992年2月北京第1次印刷

印数 0,001—1,800 册

ISBN 7-5039-0955-2/I·460

定 价：3.80 元

## 序

生命，作为一种物质的存在方式，不断地如海潮般地涌动着热情和活力。大海，自由的元素，它可以在漫长的海滩上狂奔，它可以在低垂的铅云下面怒吼，它可以在如梦的月色中浅唱，它可以在初升的朝阳前高歌……像大海般的生命也是一样呵！生命的存在、生命的自由和生命的宣泄是像大海一样的广阔而又美丽的呵！是像大海一样不可遏止的呵！

我们面对生命，不论是一只鸣蝉、一只蝴蝶；一尾蝌蚪、一条游鱼；一个蜗牛、一只飞鸟；一匹奔马、一头老牛；一个蹒跚学步的婴儿、一位漫步黄昏的老人……越过这形形色色的存在方式，你是否感受到那现实的生动和激情浩荡的生命的壮丽呢？！你是否会因此而由衷地赞美造物的神奇和生命的奥秘呢？！甚至，你是否会因此而“悲落叶于劲秋，喜柔条于芳春；感四时以叹逝，瞻万物而思纷”呢？！

洋溢的生命，是不会规矩于形式的约束的，它会像河水一样漫溢出来，会像阳光一样铺洒开来，会像风一样飞翔起来……因此，在自由的生命的观照里，一道山峦，一面峭壁，一片原野，一带修林，一波池水，一块石头，一方彩云，一片落叶……都会充满生机充满灵性充满渴望充满生命的倔强和灿烂的畅想！……

生命为我们演绎出许许多多的悲欢离合；生命为我们创造出许许多多的沧桑变迁。生命是那样悠长，生命又是如此短暂！在永恒的羁旅中，你能听到生命的呐喊和在遥远的年代里那些经久不息的回声吗？……

不论在生命的历程中，还是在自然的环境里，你懂得生命的美丽和这美丽生命的全部意义吗？！……

我热爱生命！我热爱因为生命的热爱而热爱的那些自然的存在。我歌唱生命，因为我知道，有生命的地方，就决不会沉默！！！

1990年6月9日于相山

## 目 录

|         |   |
|---------|---|
| 序 ..... | 1 |
|---------|---|

### 面 对 自 然

|               |    |
|---------------|----|
| 北方，秋天印象 ..... | 3  |
| 面对自然 .....    | 4  |
| 感觉 .....      | 6  |
| 写给一个古遗迹 ..... | 7  |
| 窗口 .....      | 8  |
| 煤 .....       | 10 |
| 季节河 .....     | 12 |
| 虎丘 .....      | 14 |
| 仙女泉 .....     | 16 |
| 黎明的光芒 .....   | 17 |
| 青草 .....      | 18 |
| 红蜻蜓 .....     | 19 |
| 寄远方 .....     | 21 |

|       |    |
|-------|----|
| 舞者    | 22 |
| 尾巴    | 23 |
| 宽容    | 25 |
| 老树皮   | 27 |
| 童年的葡萄 | 29 |
| 复活    | 30 |
| 今夜春风  | 32 |
| 暴风雨   | 34 |
| 敬亭绿雪  | 36 |
| 快乐的晚霞 | 37 |
| 油菜花   | 39 |
| 致未来   | 41 |
| 浮庄    | 42 |
| 月下    | 44 |
| 春节    | 45 |
| 信笺    | 47 |
| 林间小屋  | 48 |
| 竹编老人  | 49 |
| 狮子林   | 50 |
| 火狐    | 51 |
| 长城    | 52 |
| 死贝    | 53 |
| 大平原   | 55 |
| 苍茫时分  | 56 |
| 森林    | 57 |

|         |    |
|---------|----|
| 烙印      | 59 |
| 淡红色的小海螺 | 60 |
| 古老的语言   | 61 |

## 我的 太 阳

|            |    |
|------------|----|
| 你以真诚的目光注视我 | 65 |
| 勿忘         | 66 |
| 小珍         | 67 |
| 家书         | 68 |
| 永远的栀子花     | 69 |
| 萌动         | 71 |
| 多风的季节      | 72 |
| 浪          | 73 |
| 秀发如瀑的姑娘    | 74 |
| 剪影         | 76 |
| 秋夜登高       | 77 |
| 欣赏         | 78 |
| 第三只眼睛      | 79 |
| 山与水        | 81 |
| 无名草        | 83 |
| 子归         | 84 |
| 望晴         | 85 |
| 三叶草        | 86 |
| 醉秋         | 87 |
| 夜泊         | 88 |

|      |    |
|------|----|
| 我的名字 | 89 |
| 请您收获 | 91 |
| 常常   | 92 |
| 海的女儿 | 93 |

## 命 运 之 旅

|       |     |
|-------|-----|
| 身外    | 97  |
| 一段往事  | 99  |
| 倒立    | 100 |
| 孤岛    | 102 |
| 忘归    | 104 |
| 灵魂的低语 | 105 |
| 生活    | 106 |
| 青春的秘密 | 107 |
| 平静时刻  | 108 |
| 风     | 110 |
| 万事万物  | 111 |
| 远足    | 112 |
| 酒乡人   | 114 |
| 老手    | 115 |
| 时间的碎片 | 116 |
| 踩水    | 118 |
| 捅破的窗纸 | 120 |
| 放风    | 121 |
| 回声    | 122 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 跋涉者       | 123 |
| 主旋律       | 124 |
| 远眺        | 125 |
| 音域        | 126 |
| 奕         | 127 |
| 走         | 128 |
| 夜行        | 130 |
| 不留后路的人们   | 131 |
| 苦果        | 132 |
| 思路        | 134 |
| 垂钓        | 136 |
| 陷落        | 138 |
| 蚊子        | 140 |
| 中年        | 142 |
| 水滨遥望      | 144 |
| 甲虫        | 146 |
| 象形        | 148 |
| 寻觅        | 150 |
| 无主题变奏     | 151 |
| 诱惑        | 153 |
| 超越        | 154 |
| 里程碑       | 155 |
| 冬天        | 157 |
| 影子        | 159 |
| 我们公演心中的秘密 | 161 |

## 人 生 花 絮

|          |     |
|----------|-----|
| 中国的一天    | 167 |
| 沧海一瞬     | 168 |
| 雁        | 169 |
| 贝多芬·《命运》 | 170 |
| 悲哀       | 172 |
| 过去的故事    | 173 |
| 雨夜       | 175 |
| 今夕       | 176 |
| 黑线条      | 178 |
| 错误       | 180 |
| 庄周       | 181 |
| 失重       | 182 |
| 游戏       | 183 |
| 往事回想     | 184 |
| 兵马俑      | 186 |
| 小令       | 188 |
| 心迹       | 190 |
| 远山       | 191 |
| 一块石头     | 192 |
| 坦白人生     | 194 |
| 野性的呼唤    | 195 |
| 音乐       | 196 |
| 阳光       | 197 |

|          |     |
|----------|-----|
| 高山流水     | 198 |
| 箴言       | 199 |
| 黄昏       | 200 |
| 晚安       | 201 |
| 作品       | 202 |
| 人体画像     | 203 |
| 贼        | 206 |
| 幽默       | 207 |
| 黑手套      | 208 |
| 荒诞之梦     | 210 |
| 不倒翁      | 212 |
| 魔鬼的故事    | 213 |
| 拉奥孔      | 215 |
| 迟到的歌唱    | 216 |
| 英雄       | 218 |
| 困雨       | 219 |
| 回环       | 221 |
| 冬林       | 223 |
| 预言       | 225 |
| 向远方<代后记> | 226 |

---

## 面 对 自 然

---



## 北方，秋天印象

多么明净的秋光呵  
无声无息的悄悄地走来

来在树冠上，来在楼塔上  
来在阳台上，玻璃上闪着光  
像镜子般的河面闪着光  
像远处的炊烟闪着光  
远远近近的屋顶上闪着光……

涌进我的窗，倾洒在台桌的玻璃上  
让我眼里的每一个字都闪闪发亮  
让这些字描绘的欢乐甚至令人伤感的情节，都闪闪发亮！温暖、柔情、  
闪闪发亮，洋溢着泥土的芬芳

天气晴朗。阳光遍野。  
没有人能望尽这北方的原野

## 面对自然

选一块巉岩  
俯瞰云海苍山  
你，要与自然对话？  
用心，不要用语言

一切感叹都软弱无力  
一切言语都面容苍白  
溶身心于天地之间  
骋幽思于古今中外……  
默默、默默，此时最需默默！

默化为岩座上的磐石  
默化为风景中的名胜  
默化为远天里的意境  
默化为诗画中的芬芳……

祖国的风呵  
已拂平胸中的块垒  
苍莽的山呵

壮阔了疲惫的情怀……

哦，这一刻无言的情结  
这一份永远的初恋  
无语、无语，言语已在万水千山！……